BrightSpots

नई दिल्ली

फिउचर फ़ूड सिस्टम समिट

21 और 22 फ़रवरी 2024

कृषि प्रसार संभाग, आई.ए.आर.आई, पूसा, नई दिल्ली

सम्मेलन प्रतिभागियों का वर्गीकरण

हमारे हालिया **फिउचर फ़ूड सिस्टम सम्मेलनों** में, हम **खाद्य प्रणाली विशेषज्ञों और परिवर्तनकर्ताओं** के एक विविध समूह को एक साथ लाए।

कार्यक्रम ने **नेटवर्किंग, सामान्य लक्ष्यों की पहचान करने और उज्जवल भविष्य के लिए कार्रवाई योग्य योजनाएं** विकसित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया।

दिन 1

- परिचय और स्पीड-नेटवर्किंग सेशन
- व्यक्तिगत एवं समूहक दृष्टि का निर्माण

दिन 2

- भविष्य की खाद्य प्रणाली के लिए एक सांझे दृष्टिकोण का निर्माण।
- पैनल चर्चा और सफलताओं एवं चुनौतियों का आदान-प्रदान

निम्नलिखित संगठनों और व्यक्तियों का विशेष धन्यवाद जिन्होंने इस कार्यशाला को संभव बनाया

फेसिलिटेटर:
अर्चना तोमर

शोधकर्ता:
प्रोफ. डा. वेरेना सुफर्ट
डॉ. ऐनी एलीस स्ट्रैटन
डॉ. हसीना कादिरी
सिमरन कौर, एम.एससी
डॉ सत्यप्रिया
डॉ एस आर बिश्नोई

स्थान:
कृषि प्रसार संभाग, आई.ए.आर.आई, पूसा, नई दिल्ली

केटरिंग:
प्रोफेशनल केटरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

कलाकार:
विष्णु ए एस

कार्यशाला डिज़ाइन:
अल्टेकियो (कोंची पिनेरो और सिंतीया लारा)

नई दिल्ली

फिउचर फ़ूड सिस्टम समिट
ग्रप्प विज़न

BrightSpots

प्रतिभागियों को तीन ग्रप्प में विभाजित किया गया जहाँ उन्होंने **2050 में वांछनीय भोजन प्रणाली के लिए एक दृष्टिकोण/ विज़न का निर्माण** किया। यहाँ उनके विज़न हैं:

स्वराज

- भोजन तक **उचित और समान** पहुंच
- विविध, एकीकृत, विकेन्द्रीकृत खाद्य **इकोसिस्टम**
- **महिला सशक्तिकरण**
- स्वशासित, आत्मनिर्भर गांव (**ग्राम स्वराज**)
- क्लाइमेट-स्मार्ट, जैविक, **पुनर्योजी** कृषि पद्धतियाँ
- **पारंपरिक ज्ञान** का संरक्षण करें एवं नई तकनीक अपनाएं
- सभी क्षेत्रों में पोषण और जलवायु-संवेदनशील **नीतियां**

स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध भारत

- **स्थिर** खाद्य प्रणालियों में भारत वैश्विक नेता के रूप में
- **किसान-केंद्रित** अनुसंधान और शिक्षा
- समृद्ध **जैव विविधता**/कृषि-जैव विविधता
- स्थिर खाद्य प्रणाली **नीति**
- स्थिर **उत्पादन** प्रणालियाँ
- किसानों के लिए उच्च और **विविध आय**
- पौष्टिक भोजन प्रति **जागरूकता और जनतक पहुंच**
- मजबूत पोस्ट-हार्वेस्ट **प्रबंधन**
- भोजन की **न्यूनतम बर्बादी**

अतीत को पुनर्जीवित करके और वर्तमान को दोबारा देखकर अपने भविष्य की पुनर्कल्पना करें

- स्थिर **उत्पादन**: किसान शिक्षा, जैविक, शून्य अपशिष्ट
- **नीति सुधार**: विस्तार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटलीकरण
- स्वस्थ **आहार**: उपलब्धता, सामर्थ्य, ट्रेसेबिलिटी
- इकोसिस्टम **रीस्टोरेशन**
- **समावेशन**: महिलाएं, भूमिहीन मजदूर, सीमांत किसान
- जलवायु और तनाव **अनुकूलन**

BrightSpots

नई दिल्ली

→ प्रतिभागियों ने एकत्रिक होकर तीनों ग्रप्प विजनों में से **सांझे मूलों** की पहचान की:

- **संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग एवं भूमि प्रबंधन**
- **नीति और उनका दीर्घकालिक प्रभाव**
- **पहलों का अभिसरण और प्रणालीगत एकीकरण**
- **किसान-केंद्रित सेवाएँ और विस्तार**
- **टेक्नोलॉजी और कनेक्टिविटी**
- **शिक्षा और जागरूकता**
- **डेटा प्रबंधन और गैप्स को खत्म करना**
- **खाद्य एवं पोषण सुरक्षा**
- **मधुमक्खी संरक्षण और शिक्षा**

"**वैज्ञानिक और किसान** के बीच का लिंक टूट गया है। इसे जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।"

"जो समय में हम रह रहे हैं, हमारे पास ऐसी शक्ति होनी चाहिए कि हम जिस से खरीद रहे हैं, जिसको बेच रहे हैं उनसे कनेक्ट कर पाएं। बेहतर विस्थार सेवाएं उपलब्ध हो..... **कनेक्टिविटी**"

"मेरा मानना है कि **मधुमक्खी संरक्षण और उससे संबंधित शिक्षा** पर अभी से ध्यान दिया जाना चाहिए। वर्तमान भारत में 3.8 मिलियन मधुमक्खी कालोनियाँ हैं तथापि 150 ट्रिलियन कालोनियों की आवश्यकता है। अगर हमने अभी भी ध्यान नहीं दिया तो हमारे सारे खेत बंजर हो जायेंगे।"

BrightSpots

नई दिल्ली

सांझे मूलों के आधार पे प्रतिभागियों ने 2050 में एक वांछनीय भोजन व्यवस्था के लिए एक सांझे दृष्टिकोण का निर्माण किया।

2050 तक, हमारी दृष्टि में पुनर्योजी कृषि के माध्यम से स्थिर उत्पादन प्रथाएं शामिल हैं जो पारंपरिक ज्ञान पर आधारित भावपूर्ण और आध्यात्मिक तरीकों को एकीकृत करती हैं । यह दृष्टिकोण न केवल पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करता है बल्कि एक स्वस्थ समुदाय और समृद्ध किसानों का निर्माण भी करता है।

हमारा दृष्टिकोण उत्पादन के सभी स्तरों पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उचित, स्थानीयकृत और आवश्यकता-आधारित प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करता है। दृष्टि अनुसार बुनियादी ढाँचे का विकास वैज्ञानिक और व्यावहारिक होगा, जिसमें कृषि-स्तरीय संचालन, पोस्ट हार्वेस्ट प्रक्रियाएँ और मार्किटिंग रणनीतियाँ शामिल होंगी। मांग-संचालित प्रोसैसेड उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन और बेहतर मार्किटिंग तकनीकों का लक्ष्य होगा।

इसका मुख्य उद्देश्य हर किसी के लिए प्रतिदिन किफायती, पोषण-समृद्ध और स्वस्थ भोजन तक पहुंच प्रदान करना है। इसमें स्थिर उत्पादन प्रथाएं शामिल होंगी जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती हैं, जिसका लक्ष्य उत्पादन से लेकर उपभोग तक सभी चरणों में भोजन की हानि और बर्बादी को कम से कम 50% तक कम करना है। हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहां नागरिक पोषण के बारे में अधिक जागरूक हों और जंक फूड के बजाय स्वस्थ भोजन को प्राथमिकता दें, जिससे एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य बन सके।

दृष्टि का सचित्र प्रतिनिधित्व

आर्टिस्ट: विष्णु ऐ एस

फिउचर फ़ूड सिस्टम समिट
अंतिम विज़न

BrightSpots

नई दिल्ली

सांझे मूलों के आधार पे प्रतिभागियों ने 2050 में एक वांछनीय भोजन व्यवस्था के लिए एक सांझे दृष्टिकोण का निर्माण किया।

दृष्टि का सचित्र प्रतिनिधित्व

आर्टिस्ट: विष्णु ऐ एस

फिउचर फ़ूड सिस्टम समिट
सम्पर्क जानकारी

BrightSpots

नई दिल्ली

किसी भी प्रश्न और ब्राइट स्पॉट्स प्रोजेक्ट से अप टू डेट रहने के लिए हमारी वेबसाइट देखें:

brightspotsproject.com

UNIVERSITY OF HOHENHEIM

Robert Bosch Stiftung